संस्कार से ही समाज जिंदा है, इसलिए हर व्यक्ति में संस्कार होना जरूरी है

प्रदेश के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कांग्रेस में पर साधा निशाना

शाजापुर, 25 सितंबर. सेवा पखवाड़े के अंतर्गत प्रबुद्ध जनों की संगोष्ठी और दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर प्रदेश के वरिष्ठ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि दीनदयाल उपाध्याय के सपनों को मोदी सरकार साकार करने में लगी हुई है. उन्होंने कहा कि संस्कार से ही समाज जिंदा है और हर व्यक्ति को संस्कारित होना जरूरी है. कैलाश विजयवर्गीय ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी और उनके नेता संस्कारविहीन हैं. क्योंकि वे विदेशी संस्कृति को मानते हैं. कांग्रेस के नेता भारतीय संस्कृति का मखौल उड़ाते हैं.

कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री इंदरसिंह परमार, विधायक अरुण भीमावद, पुरुषोत्तम चंद्रवंशी, भाजपा जिलाध्यक्ष रवि पांडे, नगर अध्यक्ष अशीष नागर, नगर पालिका अध्यक्ष प्रेम जैन, उपाध्यक्ष संतोष जोशी, नगर महामंत्री गोविंद नायक, महेश भावसार, जिला मंत्री उमेश टेलर आदि मौजूद थे. गौरतलब है कि गांधी हॉल में आयोजित प्रबुद्ध जनों की संगोष्ठी में कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि आज भाजपा पूरे देश में सत्ता में है. दीनदयाल के सपनों को पूरा कर रही है. मोदी सरकार अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति को आगे लाने का प्रयास कर रही है. यही दीनदयाल उपाध्याय का सपना था. इस अवसर पर विधायक अरुण भीमावद ने कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री मोहन यादव सनातन धर्म के प्रहरी हैं और शाजापुर जिले को विकास से परिपूर्ण करने में लगे हुए हैं. उन्होंने कहा कि शाजापुर जिले में जितने विकास कार्य अभी हुए हैं. उतने 50 साल में नहीं हुए हैं. भीमावद ने कहा कि कांग्रेस केवल विकास के नाम पर लोगों को गुमराह कर वोट कबाड़ती है. भाजपा विकास के लिए काम करती है और यही कारण है कि प्रदेश में लगातार जनता भाजपा को चुन रही है, जिसमें सबसे बड़ा योगदान लाड़ली बहनाओं का है. इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री इंदरसिंह परमार ने भी संबोधित किया.

मां राजराजेश्वरी के किए दर्शन...

भाजपा कार्यालय से सीधे कैलाश विजयवर्गीय मां राजराजेश्वरी मंदिर पहुंचे. जहां उन्होंने नवरात्रि में माता रानी की पूजा-अर्चना कर दर्शन लाभ लिए. इसके बाद वे गांधी हॉल में आयोजित कार्यक्रम के पश्चात विधायक अरुण भीमावद के निज निवास पर आयोजित सहभोज में शामिल हुए.

जोशी ने कैलाश विजयवर्गीय को गदा भेंटकर किया भव्य स्वागत...

हाईवे पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का गदा भेंट कर नगर पालिका उपाध्यक्ष संतोष जोशी ने भव्य स्वागत किया. इस अवसर पर विधायक अरुण भीमावद, पूर्व नपाध्यक्ष प्रदीप चंद्रवंशी, नपाध्यक्ष प्रेम जैन, जिला उपाध्यक्ष शीतल भावसार, भाजपा जिलाध्यक्ष रवि पांडे मौजूद थे. क्रेन से फूलों की वर्षा कराई गई. पगड़ी और सांफा बांधकर कैलाश विजयवर्गीय का सम्मान किया गया.

सेवा पखवाड़ा अंतर्गत गणेशपुरा में किया पौधारोपण

सुसनेर, 25 सितंबर. जिला कलेक्टर प्रीति यादव के निर्देशन एवं वनमंडलाधिकारी वीरेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत वन परिक्षेत्र सुसनेर के गणेशपुरा क्षतिपूर्ति वनीकरण स्थल रकबा 33.79 हैक्टर पर पौधारोपण किया गया. इस अवसर पर नमो वन नमो उपवन मिशन लाइफएवं एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत जनप्रतिनिधियों, वन अधिकारियों कर्मचारियों, स्कूली छात्र-छात्राओं एवं ग्रामीणों ने सहभागिता कर पौधारोपण किया.

कार्यक्रम में स्कूली छात्र छात्राओं को वन एवं वन्य प्राणियों के संरक्षण हेतु जागरूक किया गया तथा जीवन के विशेष अवसरों पर पौधारोपण करने हेतु प्रेरित किया. प्रतिभागियों को मिशन लाइफके अंतर्गत प्रधानमंत्री द्वारा सुझाए गए संकल्प पानी एवं ऊर्जा बचाने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, अपशिष्ट न फैलाने तथा सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने जैसे बिंदुओं को जीवन में अपनाने का आह्वान किया गया. कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि राजपाल सिंह कलारिया, उपाध्यक्ष बाबूलाल यादव, सज्जन सिंह कलारिया, मोहनसिंह गूंदलावदा, बजरंग पाटीदार, राधेश्याम यादव, ग्राम वन समिति अध्यक्ष महेश गिरी गोस्वामी उपस्थित रहे. इसके अतिरिक्त उपमंडल अधिकारी शाजापुर फतेह सिंह निनामा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत जितेंद्र सिंह धाकरे, वन परिक्षेत्र अधिकारी चंदरसिंह पंवार सहित समस्त वन विभाग अधिकारी कर्मचारी गणेशपुरा ग्राम के स्कूली छात्र छात्राएं एवं ग्रामीणजन भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे.

अधीनस्थों के शीश काटकर संवार रहे अपना शीश महल...

कहते हैं खाकी की न तो दुश्मनी अच्छी, न दोस्ती... यूं तो खाकी आम लोगों की जेब में सुराख कर अपने मनी संक्रमण का इलाज करती है, लेकिन इस वक्त खाकी ही खाकी की दुश्मन बनकर वसूली में लगी हुई है. जिले के एक साहब बहादुर अपने शीश महल को संवारने के लिए अधीनस्थों के शीश काट रहे हैं. या यूं कहें कि थाने-थाने से तिनका-तिनका बटोर रहे हैं. कहीं से कारपेट आ रहा है, तो कहीं से तशरीफ रखने के लिए कुर्सियां. तो दाल-चवाल बनाने के लिए कूकर लाने का भी प्रेशर है. पहले ही शीश महल की मरम्मत के नाम पर पीडब्ल्यूडी पर लाखों की प्याज कट चुकी है. हालत यह है कि किसी भी थाना प्रभारी के पास साहब बहादुर का फोन बजता है, तो उसका रक्तचाप बढ़ जाता है कि क्या पता कौन सी नई डिमांड आ गई है. डिमांड के चलते अब इसका भार आम जनता पर पड़ेगा, क्योंकि कोई जेब से डिमांड पूरी करेगा नहीं. साहब बहादुर की डिमांड पूरी करने के लिए जनता की जेब से ही डिमांड पूरी होगी. जिले में पहला अवसर होगा जब पुलिस महकमे में शीश महल को सजाने के लिए अलग-अलग वसूली हो रही है. ऐसा लगता है साहब यहीं पूरी नौकरी कर लेंगे. जिस तरीके से वे एक बंगला न्यारा बनाने में लगे हैं और उसे सजाने में थाना प्रभारियों पर प्याज कट रही है. अब साहब हैं किसकी मजाल कि उनके हुकुम की तामिल न हो, लेकिन पुलिस महकमे में साहब की चर्चा इन दिनों वसूली पटेल के रूप में आम हो

बात शाजापुर की
× Ùaæð `

चली है. कई थाना प्रभारी तो इन्हें कोड वर्ड में वी पटेल याने वसूली पटेल भी बोल रहे हैं. अगर साहब पूरा सामान शीश महल में छोड़ जाएं, तो भी ठीक है, लेकिन अक्सर जब अधिकारी का तबादला होता है तो बंगले की कील भी अपने साथ ले जाते हैं. अब देखना है कि कितने अधीनस्थों की जेब कटकर ये शीश महल सजाया गया है. साहब की एक और खासियत है कि वे इतने मीठे हैं कि शक्कर को भी शुगर की बीमारी हो जाए.

स्वदेशी की शुरुआत सबसे पहले नेताओं से होना चाहिए

इन दिनों स्वेदशी सामान का बुखार शुरू हो गया है. इसकी शुरुआत सबसे पहले उन राजनेताओं से होना चाहिए, जो एप्पल मोबाइल से बात कर स्वदेशी सामान पर ज्ञान दे रहे हैं. नेताओं को अब देश में बनी गाड़ियों से घूमना चाहिए. लिबर्टी की चप्पल पहनना चाहिए. एचएमटी की घड़ी पहनना चाहिए. विदेशी ब्रांडेड कपड़ों से परहेज करना चाहिए. शौचालय में वेस्टर्न नहीं इंडियन सीट लगवानी चाहिए. तब जाकर स्वदेशी सामान पर जनता को भाषण दें. अब इलाज के लिए मशीनें भी विदेशी नहीं, दवाई भी विदेशी नहीं, सब हिंदुस्तानी होना चाहिए.

लगता है पोषित लिफाफा नहीं मिल रहा जनाब को

इन दिनों नगर पालिका में एक कांग्रेसी पार्षद बड़े बेचैन हैं. ढाई साल बाद उनकी विपक्ष में रहने की आत्मा का जागरण हुआ. लगता है उनका लिफाफा कुपोषित हो गया है. यही कारण है कि इन दिनों वे शहर के आवारा कुत्तों को लेकर मुखर हो रहे हैं. क्योंकि समय-समय पर उनको पोषित लिफाफा मिलता रहा है, इसलिए वे चुप थे. अब देखना है कि उनके मुखर होने से जो मिल रहा था वो भी बंद होगा या फिर लिफाफे का वजन बढ़ेगा.

अंत में...

हर आदमी में होते हैं दस-बीस आदमी, जिस को भी देखना हो कई बार देखना.

मां बगलामुखी मंदिर में निरंतर 24 घंटे चल रहे हवन, ऑनलाइन हो रही बुकिंग

दर्शन के लिए लग रहा तांता, एक हजार से अधिक हो रहे हवन

नलखेड़ा, 25 सितंबर. मध्य प्रदेश के नलखेड़ा में शारदीय नवरात्रि पर्व पर विश्व प्रसिद्ध मां बगलामुखी मंदिर में शक्ति की भक्ति का दौर जारी है. नवरात्र के दूसरे दिन मंगलवार मां के दरबार में मत्था टेककर सुख समृद्धि की कामना की. सुबह से लेकर रात तक दर्शनों का दौर चलता रहा.दर्शनार्थियों द्वारा मंदिर पर हवन अनुष्ठान भी किए जा रहे हैं. मां पीतांबरा के दर्शन, पूजन को भक्तों की आस्था का मेला लग रहा है. मंदिर क्षेत्र में मंत्रोच्चार, जाप, तप, हवन, अनुष्ठान का सिलसिला चल रहा है.

मंदिर प्रांगण में लगभग एक हजार से अधिक हवन हुए. आने वाले दिनों में और भी अधिक हवन होने का अनुमान है. यह स्थल तंत्र की क्रियाओं से जाना जाता है. मंदिर परिसर में 123 हवन कुंड है. जिसमें आम भक्त और वीवीआईपी भक्त भी अपनी हवन कुंड में आहुति देते है. अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए किए जाने वाले हवन में पीली सरसों, हल्दी, कमल गट्टा, तिल, जौं, घी, नारियल व और भी कई तरह की औषधियों आदि से हवन किया जाता है. शुजालपुर से आए भक्त हर्षित महेश्वरी ने बताया कि यहां हर मनोकामना पूर्ण होती है.देश विदेश से आए भक्तों द्वारा अपनी मनोकामना पूर्ण करने को लेकर माता मंदिर पर हवन अनुष्ठान करते हैं और माता के दरबार में उनकी मनोकामना पूर्ण भी हो जाती है. वहीं संध्याकालीन आरती में भक्तों का जनसेलाभ उमर रहा.

नगरवासियों को मिली जाम से निजात

नवरात्रि में मां बगलामुखी मंदिर आने वाले दर्शनार्थियों के चार वाहनों की वजह से नगर के प्रवेश द्वार लखुंदर नदी से लगाकर मां बगलामुखी मंदिर चौराहा तक पल पल जाम लगता रहता था, लेकिन प्रशासन में बैठे अधिकारियों द्वारा इस वर्ष उज्जैन इंदौर शाजापुर से आने वाले दर्शनार्थियों के लिए लखुंदर नदी के किनारे स्थित रास्ते से सीधे भारत माता स्कूल के सामने यात्री निवास एवं सेवा सदन के पास स्थित ग्राउंड पर पार्किंग की व्यवस्था की गई. वहीं छापीहेड़ा, जीरापुर राजगढ़ से आने वाले वाहनों के लिए पीतांबरा कॉलोनी के पास स्थित ग्राउंड पर वाहन पार्किंग स्थल बनाया गया. जिसके चलते नगर में शारदीय नवरात्रि के दिनों लगाते रहते जाम से निजात मिल गई.

खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिए दी महत्वपूर्ण जानकारी

शाजापुर, 25 सितंबर. 34वीं वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक ऑफलाइन, ऑनलाईन गूगल मीट के द्वारा संपन्न हुई. जिसमें वैज्ञानिक, अधिकारियों ने अपनी उपस्थिति ऑनलाईन एवं कुछ ने ऑफलाइन दर्ज कराई. इस दौरान पोषण सुरक्षा हेतु मोटे अनाज के उत्पादन एवं मूल्य संवर्धन तकनीक का प्रचार प्रसार करने, गेहूं, चना एवं सरसों की उन्नत किस्मो का प्रचार प्रसार, जैविक खेती को बढावा देने एवं कम पानी में होने वाली औषधीय फसलें एवं बाजार आधारित फसल चयन एंव फसलों के मूल्य संवर्धन अपनाकर रोजगार को बढ़ावा दिया जाने, फसल चक्र अपनाने हेतु प्रेरित किए जाने, फसल विविधिकरण हेतु जाग्रति लाने सहित विभिन्न जानकारियों को साझा किया गया.

कार्यक्रम में डॉ. अखिलेश सिंह प्रतिनिधि निदेशक विस्तार सेवाएं राविसिकृविवि ग्वालियर, डॉ. रजनीश श्रीवास्तव प्रतिनिधि निदेशक अटारी जबलपुर, डॉ. दीक्षा टेमेरे प्रतिनिधि अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय इंदौर, डॉ. रूपेश खांडेकर प्रधान वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र राजगढ़, डॉ. एके दीक्षित प्रधान वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र आगर मालवा, डॉ. केएस भार्गव वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र देवास, उपसंचालक रानी चौधरी अनुविभागीय अधिकारी कृषि विभाग, सालिराम धाकड़ आत्मा विभाग, शाजापुर सुमित पाटीदार उद्यानिकी विभाग, जयराम मालवीय बीज निगम, शाजापुर ओपी पटवार बीजप्रमाणीकरण संस्था, शजापुर केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. एसएस धाकड, डॉ. गायत्री वर्मा, डॉ. मुकेश सिंह, डॉ. डी के तिवारी एवं रत्नेष विश्वकर्मा उपस्थित थे. कार्यक्रम में प्रगतिशील किसान मुकेश पाटीदार, ललित नागर, अनिता पाटीदार, शरद भंडावत, जीतेन्द्र पाटीदार एवं पायल पाटीदार उपस्थित थे. कार्यक्रम मे डॉ. जीआर अम्बावतिया प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख द्वारा बैठक के उददेय एवं महत्व पर प्रकाश डाला एवं खेती का लाभ का धंधा बनाने हेतु केन्द्र द्वारा किए जा रहे कार्यो की जानकारी दी. डॉ. एसएस धाकड द्वारा जिले में कृषकों के आर्थिक विकास हेतु किए जा रहे कार्यो एवं विगत खरीफ वर्ष 2025-26 में किए गए कार्यो एंव आगामी रबी वर्ष 2025-26 में किए जा रहे कार्यो की कार्ययोजना का प्रस्तुतिकरण किया गया. कार्यक्रम क संचालन डॉ. एसएस धाकड द्वारा किया गया एवं आभार डॉ. मुकेश सिंह द्वारा किया गया.

कॉलेज में हुआ रक्तदान जागरूकता कार्यक्रम

शाजापुर, 25 सितंबर. प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बीकेएसएन गवर्नमेंट कॉलेज शाजापुर में मप्र उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार महाविद्यालय में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत रक्तदान जागरूकता कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. वीपी मीणा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ. डॉ. मीणा ने इस अवसर पर विद्यार्थियों से अपील की कि जीवन में हमें एक बार जरूर रक्तदान करना चाहिए. रासेयो कार्यक्रम अधिकारी प्रो. प्रकाश बर्फा ने कहा कि रक्तदान करने से हृदय स्वास्थ्य बेहतर होता है और शरीर में आयरन का संतुलन बना रहता है, जिससे दिल का दौरा और स्ट्रोक जैसी बीमारियों का जोखिम घटता है. रक्तदान जागरूकता कार्यक्रम पश्चात रक्तदान शिविर आयोजित हुआ.

शीतला मैया का आकर्षक श्रृंगार किया- सुसनेर, शारदीय नवरात्र के चलते नगर के मेला ग्राउंड स्थित अतिप्राचीन शीतला माता मंदिर में मातारानी का आकर्षक श्रृंगार किया गया. यहां पर प्रतिदिन मैया की विशेष पूजा अर्चना की जा रही है. रात्रि में आरती के समय बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन लाभ अर्जन करने मंदिर भी पहुंचे.

संघ शताब्दी वर्ष : भाग-4

समाज और देश के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के ओम भावसार और रामचंद्र खाती का अनूठा बलिदान

एक ने राष्ट्रसेवा के लिए विवाह छोड़ा, तो दूसरे ने जेल में रहना मंजूर किया, संघ को नहीं छोड़ा

शाजापुर 25 सितंबर. घर में विवाह की रस्में चल रही थी. दुल्हा बने थे ओमप्रकाश भावसार. उन्हें हल्दी भी लग गई थी, लेकिन राष्ट्रसेवा की जिद के आगे उन्होंने पाणिग्रहण संस्कार को त्याग दिया और घर छोड़कर चले गए. ऐसे ही संघ ने समाज का निर्माण किया है. शाजापुर के बाबूलाल सुखराम भावसार के बड़े पुत्र ओम जी भावसार, जिन्होंने शिक्षा, सामाजिक, सभ्यता, संस्कार और व्यापारिक व्यवहारों से भावसार समाज और आर्य समाज का भी प्रतिनिधित्व किया. लेकिन देश सेवा के लिए ओमप्रकाश भावसार ने घर-परिवार छोड़कर पूरा जीवन संघ के नाम कर दिया.

स्व.श्री ओम जी भावसार

स्व. श्रीरामचंद चंद्रवंशी

गोपाल जी धनगर

गौरतलब है कि स्व. ओमजी भावसार के पिता की इच्छा थी कि उनका बेटा पारिवारिक और सामाजिक बंधनों में बंधे. ओमजी भावसार को समझाने के लिए मदनलाल पांडे, स्व. कन्हैयालाल जी भावसार, स्व. हजारीलाल सांकलिया, गोपाल राव आदि सभी ने ओम दा को शादी के समझाया और कहा कि संघ में प्रचारक बनने में बहुत संघर्ष है, लेकिन ओम भावसार ने कोई उत्तर नहीं दिया. घर में शादी की तैयारी चल रही थी, हल्दी लग चुकी थी और ओम भावसार घर से न निकल जाए, इसलिए उनके पिता ने उन्हें घर में ही नजरबंद कर दिया, लेकिन प्रचारक बनकर संपूर्ण जीवन संघ कार्य में लगाने का संकल्प ओम भावसार ने लिया था और वे मौका देखकर घर से निकल गए. बेरछा से भोपाल और भोपाल में संघ प्रचारक बन गए. उनके छोटे भाई राम भावसार अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख के रूप में भोपाल में कार्यरत हैं. वे विद्या भारती में भी रहे हैं. राम भावसार शाजापुर में विद्यार्थी परिषद के लिए भी लंबे समय तक काम कर चुके हैं.

ऊंचावद में सबसे बड़ा एकत्रीकरण वन संचार के नाम से हुआ था...

ऊंचावद गांव की कहानी कश्मीर फाइल्स से मिलती-जुलती है. 1992 में सबसे बड़ा एकत्रीकरण वन संचार के नाम से कुंडी वाले हनुमान जी के स्थान पर रखा गया. जिसमें गोपाल सिंह धनगर की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण थी. 1978 में शीत शिविर का आयोजन किया गया. उस समय स्वयंसेवकों को लाने के लिए बैलगाड़ी का उपयोग किया गया. तो प्रचार वर्ग के लिए 1979 में हुकुमसिंह सोनी प्रचारक को बैलगाड़ी से गांव लाया गया. उसके बाद संचालन में भाग लिया. ऊंचावद स्वयंसेवकों का गढ़ रहा है. 1990 में पराग अभ्यंकर जब शाजापुर जिले के प्रचारक थे, तब गोपाल सिंह धनगर जिला शारीरिक प्रमुख और ओम राठौर जिला कार्यवाह हुआ करते थे. उस समय पराग अभ्यंकर का प्रवास ऊंचावद गांव में हुआ. जिले में ऊंचावद की शाखा प्रभावी शाखा मानी जाती थी. 1978 में गांव में शाखा का आयोजन शुरू हुआ था. तब से लेकर लगातार गोपाल सिंह धनगर संघ के विभिन्न दायित्वों पर रहकर स्वयंसेवक के रूप में संघ और राष्ट्र के निर्माण में लगे हुए थे.

लिखकर दे दो आरएसएस सांप्रदायिक संगठन, तो छूट जाओगे

स्व. रामचंद्र खाती जब जेल में थे तब उनके पास कांग्रेस पार्टी के एक बड़े नेता की तरफ से मैसज आया कि यदि रामचंद्र खाती यह लिखकर दे दें कि आरएसएस सांप्रदायिक संगठन है तो छूट जाएंगे, लेकिन मेरे पिता व परिजनों ने कहा संघ मेरे पिता की आत्मा है, जीते जी शरीर आत्मा से दूर कैसे हो सकता है. उन्होंने ऐसा लिखने से मना कर दिया.

भाई का पता नहीं बताने पर रामचंद्र खाती को ले गए थे पुलिस थाने

आपातकाल लग चुका था, स्वयंसेवक सरकार के निशाने पर थे. घर पर मेहमान आए थे, चौक बाजार में पिता स्व. रामचंद्र खाती उन्हें चाय पिलाने के लिए गए थे, इस दौरान पुलिस आई और उन्हें थाने लेकर चली गई. इसके बाद मेरे पिता को राजगढ़ जेल में 18 माह 22 दिन रहना पड़ा. यह बात पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रदीप चंद्रवंशी ने नवभारत से चर्चा के दौरान कहीं. राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ में विभिन्न पदों पर निष्ठावान कार्यकर्ता, कर्तव्यनिष्ठ रामचंद्र खाती का जन्म जून 1945 में एक साधारण परिवार में हुआ था. 15 वर्ष की उम्र रही होगी जब वह घूमते घूमते तालाब की पाल के पास लगने वाली महालक्ष्मी शाखा में पहुंच गए. यह उनकी संघ की पहली पाठशाला साबित हुई. इसके बाद वे अजीवन राष्ट्रीय स्व्यंसेवक संघ की गतिविधियों से जुडे रहे. प्रदीप बताते हैं कि पिता रामचंद्र खाती आपातकाल के दौरान 18 माह 22 दिन रहे राजगढ़ जेल में रहे. इस दौरान संघ के बड़े पदाधिकारी माखनसिंह चौहान, कन्हैयालाल भावसार, बालचंद्र पाठक आदि भी साथ थे, सभी जेल में जरूर थे लेकिन वह वहां भी संघ की रीति नीति के बारे में अन्य बंदियों को अवगत कराते रहते. सभी ने मिलकर वहां पर मंदिर का निर्माण भी कराया. एक तरह से वह वहां गुप्त रूप से संघ की शाखा भी लगा लेते थे. इस दौरान जब इंदौर हाईकोर्ट में तारीख लगती तो शाजापुर बस स्टैंड पर हम कुछ देर के लिए हम उनसे मिलते जाते थे.